

(4)

**फार्म**  
**अंचल संपत्ति विवरणिका वर्ष 2013**

प्रथम नियुक्ति के समय अंचल संपत्ति का विवरण, वर्ष

01 अधिकारी/कर्मचारी का पूरा नाम:- सुनील कुमार यादव  
02 वर्तमान पद :- कार्यपालन अभियंता  
03 कार्यालय का नाम :- कार्यालय अधीक्षण यंत्री (परीक्षण एवं संचार) म.प्र.पाँ.ट्रां.कं.लि., इन्दौर  
04 वर्तमान वेतन :- 50070+7600+DA  
05 मविष्य निधि क्रमांक :- 25751404  
06 कर्मचारी संख्या:- 92645521

| उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, जिसमें संपत्ति स्थित हो | संपत्ति नाम तथा ब्यौरे |       | वर्तमान मूल्य | यदि स्वयं के नाम पर न हो तो बतलाइये कि वह किसके नाम पर धारित है और उसका मण्डल अधिकारी/कर्मचारी से क्या संबंध है। | उसे किस प्रकार अर्जित किया गया खरीदा, पट्टा, बंधक, विरासत, भेंट या अन्य किसी प्रकार तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम तथा ब्यौरा।   | संपत्ति से वार्षिक आय | अभियुक्ति |
|---|------------------------|-------|---------------|--|--|-----------------------|-----------|
|   | गृह तथा अन्य भवन       | भूमि  |               |  |  |                       |           |
| 1. 1 बी रिजेन्सी ड्रीम्स शिवशक्ति नगर खजुराना इन्दौर                | गृह                    | निरंक | 45 लाख        | स्वयं के नाम पर  | 2001<br>दिनांक 29.03.2001 को 1938 स्के. फि. मुखंड ज्ञान प्रसा गृह निर्माण कार्य संस्था से स्वयं की बचत राशी रूपये 1.83 लाख में खरीदा तथा दिनांक 16.07.2001 को बैंक आफ बड़ौदा इन्दौर से रूपये 3.50 लाख गृह निर्माण लोन लेकर गृह निर्माण किया। 22.07.2011 को बैंक आफ बड़ौदा इन्दौर से पुनः रूपये 11 लाख गृह निर्माण लोन लेकर प्रथम तल का निर्माण किया। | निरंक                 |           |

हस्ताक्षर .....

नाम :- सुनील कुमार यादव

पद :- कार्यपालन अभियंता

\* जहाँ लागू न हो काट दीजिए

\*\* ऐसे मामले में जहाँ मूल्य का सही-सही निर्धारण करना संभव न हो, वहाँ वर्तमान स्थिति के संदर्भ में लगभग मूल्य बतलाया जाए।

\*\*\* इसमें अल्पकालीन पट्टे भी सम्मिलित है।

टिप्पणी -

मण्डल द्वारा ग्राह्य म.प्र. शासकीय सेवक (आचरण) नियम, 1985 के नियम 19 (1) के अधीन प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा तृतीय श्रेणी सेवा के प्रत्येक सदस्य से यह अपेक्षित है कि वह सेवा में पहली नियुक्ति के समय और उसके बाद प्रत्येक 12 महीने की अवधि के पश्चात यह घोषण पत्र भरकर प्रस्तुत करें और उसमें वह उसके स्वामित्व की तथा उसके द्वारा अर्जित अथवा उसके विरासत में मिली या उसके अपने नाम पर या उसके परिवार के किसी सदस्य के नाम पर अथवा किसी अन्य व्यक्ति के नाम से पट्टे या बंधक पर धारित स्थावर (अचल) संपत्ति का विवरण दें।